

पाविग्रसहस्रसिंहगयो

पुलग्रपसाहस्रगयो ।

॥ १॥ सेच्छापत्तविनाणयो

विहरइ हंसनुग्राणयो ॥ १३८ ॥

॥ इति खण्डधारया निष्कालौ ॥

॥ चतुर्थोऽङ्कः ॥

॥ अङ्कः ॥

॥ अङ्कः ॥

॥ अङ्कः ॥

॥ अङ्कः ॥

॥ अङ्कः ॥

॥ अङ्कः ॥

॥ अङ्कः ॥

॥ अङ्कः ॥

॥ अङ्कः ॥

॥ अङ्कः ॥

॥ अङ्कः ॥

॥ अङ्कः ॥

॥ अङ्कः ॥